



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 172]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 11, 1983/चैत्र 21, 1905

No. 172]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 11, 1983/CHAITRA 21, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली 11 अप्रैल, 1983

क्रा० भा 283 (अ/18कक/आई डी आर ए/83 --भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० क्रा० भा० 265 (अ)/18कक/आई डी आर ए/78 तारीख 13 अप्रैल 1978 द्वारा (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स कम्पनी लिमिटेड, कानपुर के सम्पूर्ण औद्योगिक उपकरणों, अर्थात् (i) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, कानपुर (ii) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, पॉन्डिचेरी, (iii) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, नैनी (iv) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, मुकुताथ भजन (v) मैसर्स उदयपुर काटन मिल्स, उदयपुर और (vi) मैसर्स रायबरेली टेक्सटाइल मिल्स, रायबरेली का (जिन्हें हमने इसमें इसके पश्चात् उक्त उपक्रम कहा गया है) प्रबन्ध न्देशों (विकास और वित्तियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) का द्वारा 18 कक की उन्तारा (1) व खण्ड (क) के अन्तर्गत 13 अप्रैल 1978 से पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और नेशनल टेक्सटाइल कार्पोरेशन लिमिटेड का सम्पूर्ण औद्योगिक उपकरणों का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था

और केंद्रीय सरकार की यह राय है कि लाभार्थि में यह समीचीन है कि उक्त आदेश 31 जुलाई 1983 तक की अवधि में यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे ,

अतः, अब केंद्रीय सरकार उद्योग (विकास और वित्तियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए यह निर्देश देती है कि उक्त आदेश 31 जुलाई, 1983 तक का जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे ।

[क्रा० सं० 3(6)/78-सी यू एस]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 11th April, 1983

S.O. 283(E)/18AA/IDRA/83.—Whereas by the Order of Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No S.O. 265(E)/18AA/IDRA/78 dated the 13th April, 1978 (hereinafter referred to the said Order), the management of the whole of the industrial undertakings, namely, (i) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Kanpur, (ii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Pondicherry, (iii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Naini, (iv) Messrs Swadeshi Cotton

Mills, Maunath Bhanjan, (v) Messrs Udaipur Cotton Mills, Udaipur and (vi) Messrs Rae Bareli Textile Mills, Rae Bareli of Messrs Swadeshi Cotton Mills Company Limited, Kanpur (hereinafter referred to as the said undertakings) were taken over under clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years from the 13th April, 1978 and the National Textile Corporation Limited was authorised to take over the management of the whole of the industrial undertakings ;

And, whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of 31st July, 1983 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st July, 1983.

[F. No. 3(6)/78-CUS]

का० आ० 284(अ)/18 च ख/आई डी आर ए/83.—केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 277(अ)/18 च ख/आई डी आर ए/78 तारीख 20 अप्रैल, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पूर्व ऐसी सभी संधिदाओं, सम्पत्त के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, परिनिर्धारणों, पत्राटो, स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों से (जिनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से सम्बंधित हैं) जिनके मसर्स स्वदेशी काटन मिल्स कंपनी लिमिटेड, कानपुर के (i) मसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, कानपुर (ii) मसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, पाण्डिचेरी, (iii) मसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, नैनी, (iv) मसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, मऊनाथ भजन (v) मसर्स उदयपुर काटन मिल्स, उदयपुर और (vi) मसर्स रायबरेली टेक्स्टाइल मिल्स, रायबरेली नामक औद्योगिक उपक्रम पक्षकार हैं या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रमों को लागू हैं, से प्रोद्भूत या उद्भूत सभी बाध्यताओं और दायित्वों का प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलंबित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निलंबित रहेंगे ।

और केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि जनसधारण के हित के लिए यह आवश्यक है कि उक्त आदेश, पूर्वोक्त एक वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रभावी बना रहना चाहिए ; 12 अप्रैल, 1983 तक की जिसमें यह तारख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए इसके बने रहने की समय-समय पर घोषणा की थी (देखिए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 208 (अ) /18 च ख /आई डी आर ए/79, तारीख 16 अप्रैल, 1979, का० आ० 262(अ)/18 च ख/आई डी आर ए/80, तारीख 17-4-1980 और का० आ० 305 (अ) /18 च ख/आई डी आर ए/81 तारीख 20-4-81 और का० आ० 272(अ)/18 च ख/आई डी आर ए/82 तारीख 20 अप्रैल, 1982)

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि को 31 जुलाई, 1983 तक का जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए बढ़ा दिया जाना चाहिए ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि को 31 जुलाई, 1983 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए बढ़ाता है ।

[का० सं० 3 (6)/78- सी० यू० एस०]
ए० पी० सरवान, सयुक्त सचिव

S.O. 284(E)/18FB/IDRA/83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 277(E)/18FB/IDRA/78, dated the 20th April, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force, immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertakings known as : (i) Messrs Swadeshi Cotton Mills Kanpur, (ii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Pondicherry, (iii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Naini, (iv) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Maunath Bhanjan, (v) Messrs Udaipur Cotton Mills, Udaipur and (vi) Messrs Rae Bareli Textile Mills, Rae Bareli of Messrs Swadeshi Cotton Mills Company Limited, Kanpur are parties or which may be applicable to such industrial undertakings shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas the Central Government being of opinion that it is necessary in the interest of the general public that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of one year aforesaid, had declared from time to time, for such continuance for a further period upto and inclusive of the 12th April, 1983 vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 209(E)/18FB/IDRA/79 dated the 16th April, 1979, S.O. 262(E)/18FB/IDRA/80 dated the 17th April, 1980, S.O. 305(E)/18FB/IDRA/81 dated 20-4-81 and S.O. 272(E)/18FB/IDRA/82 dated the 20th April, 1982;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 31st July, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 31st July, 1983.

[File No. 3(6)/78-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.